

**शकरखोरा वि. (फा.)** 1. शकर या मीठी चीजें खाने वाला 2. दूध, चाय आदि में अधिक शकर खाने वाला 3. लम्बी चोंच वाला, गौरैया के आकार का, हरे नीले रंग का एक बारहमासी पक्षी जो फूलों का रस पीता है और मीठी चीजें बड़ी रुचि से खाता है।

**शकरपारा पुं. (फा.)** 1. चीनी से पगी एक विशेष प्रकार की बरफी के समान चौकोर कटी मिठाई 2. एक प्रकार का मीठा या नमकीन पकवान 3. एक प्रकार का फल विशेष जो नीबू के आकार का होता है 4. चौकोर सिलाई का रूप जो रूईदार कपड़े पर शकरपारे के आकार में लगाई जाती है।

**शकरी वि. (तद्.)** 1. शकर का 2. शंकर के रंग का 3. फालसा नामक फल।

**शकल स्त्री. (फा.)** 1. मुख की बनावट, रूप, आकृति, चेहरा, ढाँचा 2. मुख का भाव, चेष्टा, दशा, अवस्था 3. उपाय, तरकीब, ढब 2. पुं. (तत्.) 1. अंश, टुकड़ा 2. (मछली का) छिलका, छाल, चमड़ा 3. आँवला, कमलनाल 4. मनुस्मृति में वर्णित एक देश।

**शकलित वि. (तत्.)** खंड-खंड किया हुआ, खण्डित।

**शकली पुं. (तत्.)** शकलवाला मत्स्य, चोड़याँदार मछली।

**शकांतक पुं. (तत्.)** शक लोगों को देश के बाहर निकाल देने वाला, शक-विजेता, विक्रमादित्य।

**शकुंत पुं. (तत्.)** 1. पक्षी, चिड़िया 2. विश्वामित्र के पुत्र का नाम, नीलकंठ 2. एक कीड़ा।

**शकुंतक पुं. (तत्.)** पक्षी, एक छोटी चिड़िया।

**शकुन पुं. (तत्.)** किसी होने वाले कार्य के संबंध में 1. किसी व्यक्ति, वस्तु, पशु-पक्षी, क्रिया इत्यादि को देखने-सुनने आदि को शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना या लक्षण मानना, शुभाशुभ चिह्न लक्षण 2. शुभ अवसरों पर गाए जाने वाले गीत 3. शुभ मुहूर्त अथवा उसमें होने वाला कार्य 4. एक पक्षी, चील, गिद्ध।

**शकुनज्ञ वि. (तत्.)** शकुन-अपशकुन पर विचार करते हुए उसे शुभ-अशुभ, मंगलकारी अमंगलकारी बताने वाला, शकुनों का ज्ञाता।

**शकुनशास्त्र पुं. (तत्.)** वह शास्त्र जिसमें शकुनों के शुभ-अशुभ, मंगल-अमंगल फलों, परिणामों का विवेचन किया गया हो।

**शकुनि पुं. (तत्.)** 1. गांधारराज सुबल का पुत्र, धृतराष्ट्र की पत्नी गांधारी का भाई, कौरवों का मामा, इसी ने पांडवों को उखाड़ने के लिए दुर्योधन की विविध कुयोजनाओं में सहायता की, जिसका परामर्श बर्बादी का कारण बना, द्युतविद्या में निपुण 2. एक पक्षी, गीध, चील, मुर्गा 3. एक दैत्य जो हिरण्याक्ष का पुत्र था 4. एक नाग।

**शकुनी स्त्री. (तत्.)** 1. एक पक्षी, श्यामा चिड़िया, मादा गौरैया 2. पुराणों में वर्णित एक राक्षसी (नक्षत्रयोग या विशेष काल) जो बच्चों के लिए बहुत ही कष्टदायी मानी गई है वि. सगुनी, शगुन विचारने वाला।

**शकुनीश्वर पुं. (तत्.)** गरुड़।

**शकृत पुं. (तत्.)** जानवर का मल, विष्ठा, गोबर, लीद।

**शक्कर स्त्री. (तद्.)** चीनी, कच्ची चीनी, खाँड पुं. बैल, साँड।

**शक्करी स्त्री. (तत्.)** 1. नदी 2. करधनी, मेखला। 3. नीच जाति की स्त्री 4. संज्ञा वर्णवृत्त के अंतर्गत चौदह अक्षरों वाले छंदों की संज्ञा का द्योतक शब्द।

**शक्का पुं. (तत्.)** हाथी।

**शक्की वि. (अर.)** प्रत्येक बात पर संदेह अथवा शंका करने वाला, शंकाशील।

**शक्त वि. (तत्.)** 1. समर्थ, योग्य, सक्षम 2. शक्तिशाली, मजबूत 3. सम्पन्न, समृद्ध 4. चतुर, बुद्धिमान 5. प्रिय बोलने वाला, मधुरभाषी।

**शक्ति स्त्री. (तत्.)** 1. बल, ताकत 2. योग्यता, सामर्थ्य 3. ऊर्जा 4. वश, अधिकार 2. रचना